Think IAS

दृष्टि The Vision

Think Drishti

मेन्स टेस्ट सीरीज़-2019

हिन्दी साहित्य (वैकल्पिक विषय)

प्रारंभ 21st जून

ऑनलाइन, ऑफलाइन और पोस्टल

- 08 पूर्णकालिक (3 घंटे) टेस्ट्स
  (4 सेक्शनल टेस्ट्स + 2 सम्पूर्ण पाठ्यक्रम टेस्ट्स + 2 मॉडल टेस्ट्स)
- 08 अर्द्धकालिक (1½ घंटे) गृह जाँच-परीक्षाएँ*
- 08 पूर्णकालिक (3 घंटे) व्याख्या-अभ्यास गृह जाँच-परीक्षाएँ**
  (स्व-मूल्यांकन)

★ गृह जाँच परीक्षाओं की उत्तर-पुस्तिकाएँ मूल्यांकन हेतु जमा की जा सकती हैं, लेकिन इस परीक्षा को संस्थान में देने की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी।

★★ व्याख्या-अभ्यास गृह जाँच-परीक्षाओं की उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन संस्थान द्वारा नहीं किया जाएगा, लेकिन इनका मॉडल उत्तर उपलब्ध कराया जाएगा।

शुल्क		
कक्षा आधारित (Offline): ₹8,000/- (दृष्टि के विद्यार्थियों के लिये: ₹7,000/-)	ऑनलाइन (Online): ₹8,000/- (दृष्टि के विद्यार्थियों के लिये: ₹7,000/-)	पोस्टल (Postal): ₹9,000/- (दृष्टि के विद्यार्थियों के लिये: ₹8,000/-)

जाँच परीक्षा समय		
Batch 1: 09:00 AM - 12:00 PM	**Batch 2:** 12:30 PM - 3:30 PM	**Batch 3:** 4:00 PM - 7:00 PM

Venue : 707, Ist Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Opposite Batra Cinema, Delhi-09

641, First Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-110009
Contacts: 011-47532596, 87501 87501, 8448485517 E-mail : helpline@groupdrishti.com Website : www.drishtiias.com

विशेषताएँ

- प्रश्न की भाषा-शैली एवं प्रकृति संघ लोकसेवा आयोग द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नों के अनुरूप तथा गहरी समझ और जानकारी पर आधारित।
- प्रश्न में पूछे गए टॉपिक संघ लोकसेवा आयोग द्वारा पूछे जाने वाले महत्त्वपूर्ण तथा प्रासंगिक विषयों पर आधारित हैं जो प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से मुख्य परीक्षा में सहायक होंगे।
- उत्तर पुस्तिकाओं की मूल्यांकन प्रक्रिया में संघ लोकसेवा आयोग द्वारा निर्धारित मानकों का यथासंभव पालन।
- समुचित तैयारी के लिये प्रत्येक टेस्ट के मध्य आवश्यक अंतराल।
- ऑनलाइन टेस्ट देने वाले विद्यार्थियों की शंका का निवारण 48 घंटे के अंदर (टेलीफोनिक) विषय विशेषज्ञ द्वारा।

हमारा लक्ष्य

- आगामी मुख्य परीक्षा में संभावित प्रश्नों का पूर्वानुमान
- प्रभावशाली उत्तर-लेखन शैली का विकास
- उत्तर-लेखन में आरंभ एवं निष्कर्ष लेखन-कला की बारीकियों से साक्षात्कार
- उत्तर-लेखन में तार्किकता, तारतम्यता एवं सुसंबद्धता के गुणों का विकास
- उत्तर-लेखन में विश्लेषण एवं उद्धरण के समानुपातिक संयोजन का उद्घाटन
- शब्दगत एवं वाक्यगत अशुद्धियों का निराकरण
- सभी प्रश्नों के पूर्ण हल हेतु समय-संयोजन कला का विकास
- व्याख्या के प्रश्नों की पहचान हेतु विशेष प्रयत्न

'दृष्टि द विज़न' द्वारा अब तक संपन्न हिन्दी मॉक टेस्ट सीरीज़ों का मूल्यांकन

जब से 'दृष्टि द विज़न' ने हिन्दी साहित्य (मुख्य परीक्षा) मॉक टेस्ट सीरीज़ का आरंभ किया है, इस टेस्ट सीरीज़ में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों ने उन प्रश्नों का आसानी से सामना किया है जो सामान्यत: अन्य अभ्यर्थियों को अत्यन्त कठिन एवं चौंकाने वाले लगे। सच तो यह है कि प्रत्येक वर्ष 'दृष्टि द विज़न' द्वारा संचालित मॉक टेस्ट सीरीज़ में भाग लेने के बाद जब अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा में सम्मिलित होता है तो शायद ही कोई ऐसा प्रश्न होता है जिसका सामना उसने टेस्ट सीरीज़ में न किया हो। टेस्ट सीरीज़ हेतु प्रश्नपत्रों का निर्माण करते हुए हमारा मुख्य ध्यान ऐसे संभावित प्रश्नों पर भी रहता है जो पहले कभी न पूछे गए हों और आगामी परीक्षा के लिये अत्यन्त महत्त्वपूर्ण हों।

यदि विगत वर्षों के हिन्दी साहित्य मुख्य परीक्षा के प्रश्नपत्रों तथा उस वर्ष 'दृष्टि द विज़न' द्वारा संचालित मॉक टेस्ट सीरीज़ के प्रश्नपत्रों की तुलना करें तो यह कहने की आवश्यकता शेष नहीं रह जाती कि यह टेस्ट सीरीज़ सिविल सेवा परीक्षा के उन विद्यार्थियों के लिये कितनी लाभप्रद है जिनका वैकल्पिक विषय 'हिन्दी साहित्य' है।

जाँच परीक्षाओं की परीक्षा-तिथि तथा निर्धारित पाठ्यक्रम

Test 1 *21st June, 2019 (Friday)*

प्रश्न पत्र-I खंड 'क'

1. अपभ्रंश, अवहट्ट और प्रारंभिक हिन्दी का व्याकरणिक तथा अनुप्रयुक्त स्वरूप।
2. मध्यकाल में ब्रज और अवधी का साहित्यिक भाषा के रूप में विकास।
3. सिद्ध एवं नाथ साहित्य, खुसरो, संत साहित्य, रहीम आदि कवियों और दक्खिनी हिन्दी में खड़ी बोली का प्रारंभिक स्वरूप।
4. हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ और उनका परस्पर संबंध।
5. उन्नीसवीं शताब्दी में खड़ी बोली और नागरी लिपि का विकास।
6. हिन्दी भाषा और नागरी लिपि का मानकीकरण।
7. स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी का विकास।
8. भारतीय संघ की राजभाषा के रूप में हिन्दी का विकास।
9. हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक और तकनीकी विकास।
10. नागरी लिपि की प्रमुख विशेषताएँ और उसके सुधार के प्रयास तथा मानक हिन्दी का स्वरूप।
11. मानक हिन्दी की व्याकरणिक संरचना।

Test 2 *2nd July, 2019 (Tuesday)*

प्रश्न पत्र-I खंड 'ख'

1. हिन्दी साहित्य की प्रासंगिकता और महत्त्व तथा हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा।
2. हिन्दी साहित्य के इतिहास के निम्नलिखित कालों की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ
   (क) आदिकाल: सिद्ध, नाथ और रासो साहित्य।
   प्रमुख कवि: चंदबरदाई, खुसरो, हेमचन्द्र, विद्यापति।
   (ख) भक्ति काल: संत काव्य धारा, सूफी काव्यधारा, कृष्ण भक्तिधारा और राम भक्तिधारा।
   प्रमुख कवि: कबीर, जायसी, सूर और तुलसी।
   (ग) रीतिकाल : रीतिकाव्य, रीतिबद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य।
   प्रमुख कवि : केशव, बिहारी, पदमाकर और घनानंद।
   (घ) आधुनिक काल : (क) नवजागरण, गद्य का विकास, भारतेन्दु मंडल (ख) प्रमुख लेखक : भारतेन्दु, बालकृष्ण भट्ट और प्रताप नारायण मिश्र।
   (ङ) आधुनिक हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ। छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता और जनवादी कविता।
   प्रमुख कवि : मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर 'प्रसाद', सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह 'दिनकर', सच्चिदानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', गजानन माधव मुक्तिबोध, नागार्जुन।
3. कथा साहित्य:
   (क) उपन्यास और यथार्थवाद
   हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास
   प्रमुख उपन्यासकार : प्रेमचन्द, जैनेन्द्र, यशपाल, रेणु और भीष्म साहनी।
   (ख) हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास।
   प्रमुख कहानीकार: प्रेमचन्द, जयशंकर 'प्रसाद', सच्चिदानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', मोहन राकेश और कृष्णा सोबती।
4. नाटक और रंगमंच : हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास
   प्रमुख नाटककार : भारतेन्दु, जयशंकर 'प्रसाद', जगदीश चंद्र माथुर, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश।
   हिन्दी रंगमंच का विकास।
5. आलोचना: हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास- सैद्धांतिक, व्यावहारिक, प्रगतिवादी, मनोविश्लेषणवादी आलोचना और नई समीक्षा।
   प्रमुख आलोचक- रामचन्द्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा और नगेन्द्र।
6. हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ: ललित निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तान्त।

Test 3 *16th July, 2019 (Tuesday)*

प्रश्न पत्र-II खंड 'क' (पद्य साहित्य)

1.	कबीर	: कबीर ग्रंथावली (आरंभिक 100 साखियाँ) सं. श्यामसुन्दर दास
2.	सूरदास	: भ्रमरगीत सार (आरंभिक 100 पद) सं. रामचंद्र शुक्ल
3.	तुलसीदास	: रामचरित मानस (सुंदर-काण्ड), कवितावली (उत्तर-काण्ड)
4.	जायसी	: पद्मावत (सिंहलद्वीप खंड और नागमती वियोग खंड) सं. श्याम सुन्दर दास
5.	बिहारी	: बिहारी रत्नाकर (आरंभिक 100 दोहे) सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर
6.	मैथिलीशरण गुप्त	: भारत भारती
7.	जयशंकर 'प्रसाद'	: कामायनी (चिंता और श्रद्धा सर्ग)
8.	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	: राग-विराग (राम की शक्ति पूजा और कुकुरमुत्ता) सं. रामविलास शर्मा
9.	रामधारी सिंह दिनकर	: कुरुक्षेत्र
10.	अज्ञेय	: आँगन के पार द्वार (असाध्यवीणा)
11.	मुक्ति बोध	: ब्रह्मराक्षस
12.	नागार्जुन	: बादल को घिरते देखा है, अकाल और उसके बाद, हरिजन गाथा।

Test 4 *30th July, 2019 (Tuesday)*

प्रश्न पत्र-II खंड 'ख' (गद्य साहित्य)

1.	प्रेमचंद	: गोदान
2.	यशपाल	: दिव्या
3.	फणीश्वरनाथ रेणु	: मैला आँचल
4.	मन्नू भण्डारी	: महाभोज
5.	'प्रेमचंद' की सर्वश्रेष्ठ कहानियाँ (संपादक : अमृत राय)	
6.	राजेन्द्र यादव (सं.)	: एक दुनिया समानान्तर (सभी कहानियाँ)

7.	भारतेन्दु	: भारत दुर्दशा
8.	मोहन राकेश	: आषाढ़ का एक दिन
9.	प्रसाद	: स्कंदगुप्त
10.	रामचंद्र शुक्ल	: चिंतामणि [भाग-1], (कविता क्या है, श्रद्धा और भक्ति)
11.	डॉ. सत्येन्द्र (सं)	: निबंध-निलय (बाल कृष्ण भट्ट, प्रेमचन्द, गुलाब राय, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, अज्ञेय, कुबेरनाथ राय)।

Test 5 ***13th August, 2019 (Tuesday)***

प्रथम प्रश्नपत्र-सम्पूर्ण पाठ्यक्रम

Test 6 ***27th August, 2019 (Tuesday)***

द्वितीय प्रश्नपत्र-सम्पूर्ण पाठ्यक्रम

Test 7 ***07th Sep., 2019 (Sat. – 10:00 to 1.00)***

मॉडल पेपर-I

Test 8 ***07th Sep., 2019 (Sat. – 1:30 to 4.30)***

मॉडल पेपर-II

नोट:

(i) प्रत्येक जाँच-परीक्षा की मूल्यांकित उत्तर-पुस्तिकाएँ अपेक्षित सुझावों के साथ दस दिनों के भीतर परीक्षार्थियों को उपलब्ध करा दी जाएँगी। 2019 की मुख्य परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों की टेस्ट नं. 7 और टेस्ट नं. 8 की मूल्यांकित उत्तर-पुस्तिकाएँ 12 Sep. को दे दी जाएँगी। शेष विद्यार्थियों की मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाएँ 17 Sep. को दी जाएँगी।

(ii) प्रत्येक टेस्ट का मॉडल उत्तर टेस्ट के तुरंत बाद दे दिया जाएगा।

(iii) परीक्षार्थियों को उत्तर-पुस्तिकाओं की जाँच करने वाले शिक्षक के साथ व्यक्तिगत विमर्श करने की सुविधा उपलब्ध होगी।

क्या कहते हैं मॉक टेस्ट सीरीज़ के बारे में यूपीएससी-2018 के टॉपर्स....

प्रदीप कुमार द्विवेदी (रैंक 74)
हिंदी साहित्य में अंक: 344

मॉक टेस्ट सीरीज़ को मैं परीक्षा की तैयारी का सबसे महत्त्वपूर्ण भाग मानता हूँ। यह एक तरफ समय प्रबंधन में मदद करता है, वहीं दूसरी तरफ लेखन शैली का मूल्यांकन कर उसमें सुधार भी लाता है। हर विद्यार्थी को कहना चाहूँगा कि मॉक टेस्ट सीरीज़ को बहुत गंभीरता से लें तथा पूरा पाठ्यक्रम एक बार टेस्ट के माध्यम से पढ़ें।

– प्रदीप कुमार द्विवेदी
('दृष्टि द विज़न' के हिंदी साहित्य
मॉक टेस्ट सीरीज 2017, 2018 के विद्यार्थी)

रवि कुमार सिहाग (रैंक 337)
हिंदी साहित्य में अंक: 300

मुख्य परीक्षा में तो टेस्ट सीरीज़ अनिवार्य उपकरण की भाँति प्रतीत होता है। बिना टेस्ट सीरीज़ के मुख्य परीक्षा निकालना अत्यंत कठिन है।

– रवि कुमार सिहाग
('दृष्टि द विज़न' के हिंदी साहित्य
मॉक टेस्ट सीरीज 2018 के विद्यार्थी)